

Written by कुमार सौवीर
Saturday, 13 January 2018 20:08

: 00000000 00 0000 00 00 0000 0000 00 0000 0000000000 0000000000 00 0000 000000
00000000 00 0000 0000 0000 00 000000 0000000000 0000 : 000000 000000 000000 00
00000000 00 00000000 00000000 00 , 0000000000000000 0000 00000000 000000 0000 00 : 000000
00 00000000 00000000 00 00000 -000000 00 0000 0000 00000000 00000000 :

000000 000000



00000 : सपा मुखिया मुलायम सहि यादव और मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अपनी छवि चमकाने और पार्टी की जड़ों को जमाने की लाख केशशिशि कर लें, उनके अनेक बड़ों सूबेदार सारा मटयामेट करने में जुटे हैं। यह कमेंट सूचना आयुक्त मुख्यालय के क आयुक्त अरविद सहि बषिट के बारे में एक बरस पहले तक खूब चर्चति हुआ करता था। खास तौर पर तब, जब अरविद बषिट ने सूचना मांगने के अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए आने वाले वादियों के बीच चला करता था। ऐसी चर्चाओं के अनुसार मुलायम सहि यादव के समधी होने की धौस और गुरुर में झूमते अरविद बषिट किसी भी वादी से अभद्रता कर सकते हैं, किसी भी वादी पर हमला कर सकते हैं, कमरे या गलियारे में किसी को भी पीट सकते हैं। पछिले बरस एक आरटीआई कर्यकर्ता तनवीर के साथ जो बदतमीजी सूचना मुख्यालय में हुआ, वह सारी सीमाओं को तोड़ गया था।

तब मामला उठा था राज्य के चर्चति सूचना आयुक्त अरविद सहि वषिट का, जिन्होंने आज दोपहर एक सूचना कर्यकर्ता के साथ भरे दफ्तर गालियां दीं और अपने सुरक्षाकर्मियों को बुला कर उन्हें एक कमरे में बंद करा दिया। ता। खबर मलिनने तक तनवीर बषिट के कमरे में गैरकनूनी ढंग से न रबंद है और उन्हें किसी से भी मलिनने से पाबंदी लगा दी गई है।

आपको बता दें कि बषिट पत्रकार होते हुए सूचना आयोग में आये हैं। मुलायम सहि यादव के सगे समधी होने के चलते बषिट को सूचना आयुक्त की कुर्सी मल्लि, लेकिन इसके बाद से बषिट का लहजा अभद्र होता जाता रहा। चूंकि बषिट आयुक्त पद पर है और लगातार यही प्रचार कर रहे हैं की सपा सरकार में वे जो भी चाहें, कर सकते हैं। इसलिये अप्सरशाही में उनकी पकड़ होती जा रही है। यही से पकड़, दबाव और धंधे की दूकन चल रही है बषिट की।

इतना भी रहता तो भी ठीक था, लेकिन अब बषिट का दरप-घमंड अब उनके सर पर चढ़ कर बोल रहा है। अपने कर्यालय में सूचना कर्यकर्ता-आवेदकों से बषिट आयेदनि अभद्रता और उन्हें बेइज्जत करने पर आमादा रहते हैं। अनेक कर्यकर्ताओं को आरोप है कि अप्सरों से सूचना दिलाने के बजाय बषिट अप्सरों को ब्रूमा बरसाते हैं और अप्सरों के सामने ही कर्यकर्ताओं-आवेदकों से सरेआम गरियाते और सुरक्षाकर्मियों की धौस पर आवेदकों को नजरबन्द तक कर देते हैं। कई बार तो सूचना आयोग में आवेदकों की पटाई तक करायी जा चुकी है।

आज बषिट का कहर तनवीर सद्दीकी पर टूटा। बेहद गंभीर और शालीन प्रवृत्ति वाले तनवीर ने दो दिन पहले ही हजरतगंज वाले गांधी प्रतमा पर सैकड़ों

Written by कुमर सौवीर

Saturday, 13 January 2018 20:08

सूचना कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन और धरना दिया था। इस आंदोलन का मकसद सूचना आयुक्तों के मनमर्जी और नरिण्यों में हो रही उनकी धांधली का वरिोध करना ही था।

लेकिन बषिट इस पर भ्रकग आज जैसे ही तनवीर के बषिट ने देखा, तनवीर के गालियां देना शुरू कर दिया। तनवीर ने जब उनकी अभद्रता का वरिोध करना चाहा तो बषिट ने अपने सुरक्षाकर्मियों को बुला कर उन्हें ककमरे में बंद करा दिया।